



सूर्योदय : 06.26 बजे

सूर्यास्त : 05.34 बजे

गुरुवार, 08 दिसंबर 2022

वर्ष: 02 अंक: 338

मूल्य 2 पृष्ठ 8

e-mail: aknewstv2@gmail.com

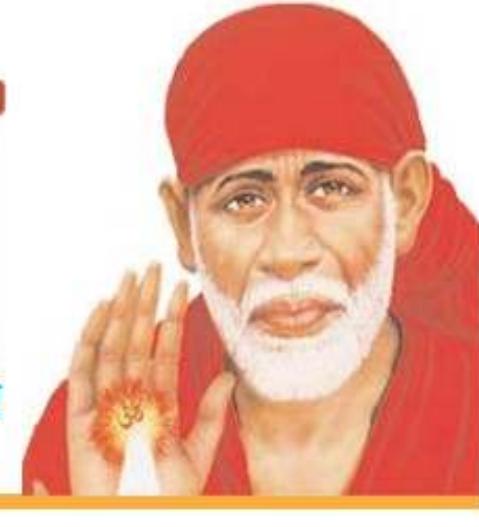
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक

अंगद द्यूल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित



साथिप्त खबर

चोट को लेकर पूर्व भारतीय दिग्गज का बयान

बांगलादेश के खिलाफ दूरे एकांकिकीय मैट्रिक में भारतीय टीम के लिए वार्षिक एक बुधवार आई जब मैच शुरू होते ही कलामन रोहिणी शर्मा को मैट्रिक से बाहर जाना पड़ा। रोहिणी शर्मा चोट के कारण बाहर चले गए। इसके बाद कोर्ट ने बैठक में बैठक पर कलामनी को गोलियां शर्मा की चोट गहरी होने की पूरी संभावना है क्योंकि वह बैठिंग कास के लिए भी नहीं आए।

मेरे हस्पैड मुझे प्यार नहीं करते' गाने पर डांस करने वाली हेमा

सोशल मीडिया पर आए दिन कई लोडोवार वायरल होते रहते ही जिसमें से कुछ दिलचस्प होते हैं कि चोट का विषय बन जाते हैं। या यूं भी कहा जा सकता है कि कुछ लोडोवार इनी मजेदार होती है कि वह अपने आप ही बायरल हो जाते हैं। अगर उनकी देखा देखी हम और आप चाहे तब भी सारी लोडोवार वायरल नहीं किए जा सकते हैं। किसी लोडोवार को लाग पसंद करते हैं।

राहुल को और किंतने जौके दोगे? फैस पूछ रहे सवाल

पहले मैच में 73 रनों की शानदार पारी खेलने वाले केलन गहुल एक बार फिर जल्दी आउ गो गए। केलन गहुल 28 मैं बैठके बैठके बाट 14 रन बनाकर मैट्रिकों ही हसन की गेंद पर एल्बीडल्यू आउट हो गए। आउट होने के बाद घैमेदान पर बिन रुके चल पड़े, अंतिम अंपायर सहित कह कहाँ का अंतराल नहीं जानी और अपने कदम पर्वतयन की तरफ बढ़ा लिए।

तमिलनाडु के किसान पहुंचे छत्तीसगढ़

तमिलनाडु के किसान भी छत्तीसगढ़ में किसानों को मिल रहे धन और गन्ता की मौत से उत्तराधिक है। सुदूर दिशा के राज्य से आपे इन किसानों ने छत्तीसगढ़ के राज्य अंतर्कान किया। इस दौरान उन्होंने कुछ मंत्री रविन्द्र चोटे से मुलायम की उन किसानों ने छत्तीसगढ़ के किसान हितों मेंत्री और कार्यक्रमों की समाजों की।

कनिका कपूर व कैलाश खेट सजाएंगे गोरखपुर महोत्सव का मंच

शामन ने गोरखपुर महोत्सव को लेकर खास तैयारी की है। इस बार बांलीवुड सिंगर सोने निमांकना खेट व कैलाश कपूर महोत्सव में धूम मचाएंगे। इनके साथ ही भोजपुरी नाटक के लिए मात्रिनी अवस्थी सहित कई अंतर्यालीकारों से वार्ता चल रही है।

लखनऊ के लिए इंडिया एम्स पर बिल्डिंग की बैठक जारी की गयी।

अधिलेश यादव ने ईवीएम पर साधा निशाना

पोर्ट की मुख्य चुनाव आयुक्त व जर्मन विदेश मंत्री की तस्वीर

लखनऊ के लिए इंडिया एम्स को लेकर दीवीट किया है। उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पहले से ही इसका इत्तेमाल नहीं कर रहा है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य निवाचन अधिकारी उन्हें क्या समझा रहे हैं?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिलेश यादव ने ईवीएम को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने दीवीट कर कहा कि जर्मनी ने 2009 में ही ईवीएम को नकार दिया था। इसके बाद भी भारत के कौन सी बारीकी सिखाई जा रही है।

उन्होंने लिखा कि जो देश खुद ईवीएम पर भरोसा नहीं करता वह दूसरे को ईवीएम

की बारीकी सिखा रहा है यह हास्यापद है।

उन्होंने कहा कि जब जर्मनी पर्सनें में ही इसका इत्तेमाल नहीं कर सकता है तो ऐसे में मुख्य

सरकारी स्कूल संगम वैश्वपुरवा में बच्चों की जगह पर छुट्टा जानवरों का बना तबेला

स्थानीय राजस्व निरीक्षक टीम दिखे कुंभकर्णी नींद में

अमर ख्याल संचादनाता

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

32

33

34

35

36

37

38

39

40

41

42

43

44

45

46

47

48

49

50

51

52

53

54

55

56

57

58

59

60

61

62

63

64

65

66

67

68

69

70

71

72

73

74

75

76

77

78

79

80

81

82

83

84

85

86

87

88

89

90

91

92

93

94

95

96

97

98

99

100

101

102

103

104

105

106

107

108

109

110

111

112

113

114

115

116

117

118

119

120

121

122

123

124

125

126

127

128

129

130

131

132

133

134

135

136

137

138

139

140

141

142

143

144

145

146

147

148

149

150

151

152

153

154

155

156

157

158

159

160

161

162

163

164

165

166

167

168

169

170

171

172

173

174

175

176

177

178

179

180

181

182

183

184

185

186

187

188

189

190

191

192

193

194

195

196

197

198

199

200

201

202

203

204

205

206

207

208

209

210

211

212

213

214

215

216

217

218

219

220

221

222

223

224

225

226

227

228

229

230

231

232

233

234

ਬਢਤਾ ਪੇਟ,

खतरे का कारण है आदमियों का बढ़ता पेट, ऐसे पाएं नियंत्रण

ये कई बीमारियों की आशंका को बढ़ा सकता है, जैसे-

कार्डियोवैस्क्युलर डिसीज (दृदय संबंधी)
 टाइप-2 डायबिटीज कोलोरेक्टल कैंसर स्लीप एन्जिया (खर्टों से जुड़ी समस्या)
 कम उम्र में विभिन्न वजहों से मृत्यु का खतरा जोड़ों से संबंधित समस्याएं,
 आदि भारतीय पुरुषों की समस्या
 भारतीय पुरुषों के मामले में एक और चीज जो खतरा पैदा करती है वह है
 उनकी लाइफस्टाइल। अधिकांश पुरुष अपने भोजन और निजी कामों जैसे-
 कपड़े धोने, घर की साफ-सफाई आदि के लिए घर की महिलाओं पर निर्भर
 रहते हैं। खासकर जीवन में स्थाईत्व आ जाने के बाद। उनका ज्यादातर समय
 दफ्तर में लम्बे समय तक बैठे रहकर काम करने में बीतता है। यदि वे फील्ड में
 काम करते हैं तो भी अपने खान-पान को लेकर लापरवाही बरतते हैं।

अनाकर्षक हानि से जाड़ा जाता है, जिसका असर उनकी जिंदगी के हर हिस्से पर पड़ता है। जबकि पुरुषों के लिए आकर्षक दिखने की कोई वाध्यता नहीं होती। इन सब स्थितियों के चलते पुरुष अपने बढ़ते पेट को नजरअंदाज करने लगते हैं और नतीजा धातक हो जाता है। बढ़ते पेट का खतरा पेट पर इकट्ठी होने वाली चर्बी केवल त्वचा के नीचे मौजूद अतिरि परतों (सबक्यूटोनियस फैट) के रूप में नहीं होती। यह विसरल फैट के रूप में पेट के भीतर महत्वपूर्ण अंगों के आस पास जमा होने लगती है और यही अधिक नुकसान करती है। इससे उन अंगों पर दबाव बनने लगता है करने की क्षमता भावित होने

दल्ली। मोटापे का बढ़ना कई समस्याओं की आशंका को भी बढ़ा देता है। बीते वर्षों में दुनियाभर में मोटापा एक अहामीय के रूप में सामने आया है। इसके पीछे बजहें कई सकृति हैं। खाने पीने में कोताही से लेकर अनियमित नैनचर्या, दफतर या घर के सिटिंग अवसर और बढ़ता समाजिक व कामकाजी दबाव व तनाव तक। उम्र का भी मोटापे की समस्या से कोई लेना देना नहीं है। बच्चों से लेकर युवाओं तक में मोटापा रोग का रूप लेता जा रहा है। मोटापे का मतलब है शरीर में अतिर चर्बी या फैट का समा होना और यह चर्बी शरीर पर बाहर दिखने के साथ अथ अंदरूनी हिस्सों को भी चपेट में ले लेती है। पेट पर गड़ने वाली चर्बी इनमें सबसे धातक हो सकती है क्योंकि इट वाले हिस्से में कई महत्वपूर्ण अंग काम कर रहे होते हैं। और इनके काम में बढ़ा हुआ मोटापा बाधा बनने लगता है। उसको के पेट का बढ़ना भी इसलिए ही खतरा पैदा कर देता है।

कई मुश्किलों का है कारण बढ़ा हुआ वजन केवल बाहरी परिस्थिति को ही असंतुलित नहीं करता, इसकी वजह से यह पूरी सेहत असंतुलित हो सकती है। हर बढ़ते किलो के साथ व्याड्यायिकीज, हाई ब्लड शेर, हृदय रोग जैसी समस्याओं के और करीब पहुँच जाता है। शरीर में पूरे बढ़े एवं वजन की तुलना में पेट पर बढ़ा वजन अधिक चिंता का विषय हो सकता है। दूसरी ओर शराब और सिंगरेट के सेवन भी उनका तिशंत महिलाओं की तुलना में अधिक होता है। ऊपर से हमारे समाज में महिलाओं के मोटापे को उनके

सादिया में बनाएं गाजर-मटर
का मिक्स अचार, स्वाद होगा
लाजवाब

पर्दियों के मौसम में फूलोगोभी, गाजर, नटर जैसी सब्जियों बिल्कुल ताजी

मिलती है। जिसका स्वाद भी बेहतर होता है। बाजार में मिल रही इन सब्जियों को अक्सर हम देर सारा बरीद लेते हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा होने की वजह से ये प्रिज में रखी रह जाती है। अगर आपके साथ भी हर सर्दी ऐसा ही होता है। तो बनाएं इन सारी सब्जियों को मिलाकर तविष्ट अचानक। जिसे खाने के बाद

आप हमेशा घर में ज्यादा सज्जियां लेनकर आएंगी। जिससे कि अचार बना पके। तो चलिए जानें कैसे बनेगा गाजर और मटर के साथ फूलगोभी का व्हाइटिंग अचार।

में भक्त अचार बनाने की विधि
रूलगोभी को अच्छी तरह से धोकर
कट लें। साथ ही गाजर को भी अच्छी
तरह से छीलकर धो लें और लंबे
टुकड़े में काट लें। किसी भगोने में
पानी गर्म करें और नमक डालें। इस
पानी में मटर के साथ ही कटी हुई गोभी
और गाजर को धो लें। सारी सब्जियाँ
को पानी से निकालकर छान लें। अब
किसी दूसरे गहे वर्तन में पानी गर्म करें
और उसमें सारी सब्जियों को डालकर

A close-up photograph of a blue plate filled with chicken wings. The wings are coated in a vibrant red, spicy-looking sauce and are garnished with fresh cilantro leaves. The plate is surrounded by numerous small, dried yellow flowers, possibly saffron or turmeric petals, which are scattered across the surface and the background. The lighting highlights the texture of the wings and the rich color of the sauce.

[View Details](#) [Buy Now](#)

A white bowl filled with a vibrant red stir-fry dish. The dish consists of diced red bell peppers, chunks of yellow squash or zucchini, and small pieces of meat, all coated in a rich, dark red sauce. The bowl is placed on a dark, textured surface.

केसी दूसरे गहरे वर्तन में पानी गर्म करें छोड़ दें।
और उसमें सारी सब्जियों को डालकर

A close-up photograph showing numerous thin, orange-colored carrot sticks or slices arranged in a dense pile. The texture of the carrots is visible, with some showing slight variations in color and shape.

के कारण आपको 38 इच से अधिक की जीस या ट्राउजर्स लेना पड़ रहा है तो सम्भल जाइए। ये उपाय आएंगे काम पहला फोकस डाइट पर। याद रखिये वजन कम करने का मतलब कभी भी खाने से दूरी बना लेना या खाना छोड़ देना नहीं है। भूखे रहने से न केवल इम्युनिटी पर बुरा असर पड़ सकता है बल्कि डायबिटीज होने की आशंका भी हो सकती है। इसलिए अपने भोजन को संतुलित बनाने पर ध्यान दें। इसके लिए अधिकांश: प्लाट ब्रेस्ट डाइट को चुनें। इसमें मोटा अनाज, पत्तेदार सब्जियां, अनाज आदि को अपनायें। कोशिश करें कि दिनभर कुछ न कुछ जंक या पैकेज्ड फूद खाने की आदत पर रोक लगे। अगर खाने की इच्छा हो तो फल, मूँगफली के दाने, छाछ, काले भिगोये हुए चने, अखरोट, बादाम, आदि को संतुलित मात्रा में खाएं। पौष्टिक और संतुलित भोजन में भी मात्रा को ध्यान में रखें। अगर आप सामान्य दाल-सब्जी रोटी-चावल वाला भोजन करते हैं तो भी इसकी मात्रा को ध्यान में रखें। एक बार ढेर सारा भोजन करने की बजाय टुकड़ों में भोजन करें। रहें फिजिकली एक्टिव केवल अल्कोहल ही नहीं, सॉफ्टकॉम्प्रेस, ड्रिंक्स, बाजार के शर्बत और पैकड़ जूस, कोल्ड्रिङ्क्स आदि से भी दूरी बनायें। ये सीधे सीधे ढेर सारी शकर आपके शरीर में भेजते हैं। इसी तरह बाजार के पैकड़ स्नैक्स भी खाने से बचें, भले ही वह डाइट फूड के नाम से क्यों न आता हो। भले ही आप कोई जिम न जॉइन करें, न ही

काइ फिटनेस सेटर लीकिन किंजिकल एक्टिवटी का अपने रूटीन में शामिल जरूर करें। विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना सिर्फ 15 मिनिट का ब्रिस्क वॉक (जो बिना किसी व्यवधान के एक बार में तेज गति से पूरा हो) या कुछ सूर्य नमस्कार भी आपको फायदा दे सकते हैं, बश्ते आप इन्हें रोज करें। आगे आप दोड़ सकते हैं, साइकिल चला सकते हैं या स्वीमिंग कर सकते हैं तो भी बहुत अच्छा। कोशिश करें कि एक्सरसाइंज को अलग अलग रूपों में रूटीन में शामिल करें, जैसे हफ्ते में दो दिन ब्रिस्क वॉक, दो दिन सूर्य नमस्कार और दो दिन साइकिलिंग। यह हमेशा याद रखें कि पेट की चर्बी को कम होने में सबसे अधिक समय लगता है और इसके पीछे उम्र व अन्य शारीरिक स्थितियां भी काम करती हैं। इसलिए दो हफ्तों में परिणाम पाने की आशा रखने की बजाय एक-एक महीने का लक्ष्य लेकर चलें। पहले महीने में सिर्फ खुद के परिवर्तनों को महसूस करें जो स्वस्थ जीवनचर्या के कारण आपको महसूस होंगे, जैसे शरीर में हल्कापन, स्फूर्ति का बढ़ना, आत्मावैश्वास का बढ़ना और तनाव का कम होना। पहले तीन महीने में मात्र 2-3 किलो वजन कम करने का लक्ष्य बनायें। इसे ही आगे बढ़ाते रहें। यदि सालभर में आप 10 किलो तक वजन कम कर लेते हैं तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। इसके साथ ही सिगरेट और शाराब जैसी चीजों से भी दूरी बनाएं।

ये है एसिपी

क्रिसमस पर बच्चों के लिए बनाएं खास स्नोबाल कुकीज

स्टोबाल कुकीज बनाने की सामग्री
एक कप मैदा, एक चम्मच कॉर्नफ्लोर, एक
चौथाई कप पिसी चीनी, आधा कप बटर,
एक छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, एक
चौथाई छोटा चम्मच नमक।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरुण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ०प्र०) से प्रकाशित। सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) उप सम्पादक : प्रभाद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।